

# HRA an USIUA The Gazette of India

## असाधारगा EXTRAORDINARY,

भाग II--खण्ड 3--उप-खण्ड (i) PART II--Section 3---Sub-section (i)



### प्राधिकार से प्रकारिकत PUBLISHED BY AUTHORITY

₦. 115] No. 115] नई बिल्ली, सोमवार, मार्च 14, 1988/फालान 24, 1909

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 14, 1988/PHALGUNA 24, 1909

### इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्ता जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as separate compilation

### सुचना भ्रीर प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1988

### अधिमुचना

मा.का.नि. 340(य) — केन्द्रीय मरकार, प्रेम परिवद् अधिनियम, 1978 (1978 का 37) की धारा 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, प्रेस परिपद् (संशोधन) नियम, 1981 का निम्नलिखिन संशोधन करनी है. अर्थान् —

- (1) इन नियमो का मिलाप्त नाम प्रेम परिषद् (मंगोधन) नियम,
   1988 है।
  - (2) य राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. प्रेस परिषद् नियम, 1979 में नियम 10(1) के खण्ड (क) में (च) तक के और उसके स्पादीकरण के स्थान पर निम्नलिखिन रखा जाएगा, अर्थात् —
- "(क) 1,50,000 से अधिक संख्या मे बिकन वाले रिजस्ट्रीकृत समा-चार पत्न और नियतकालिक पित्रकाएं:──

- (i) प्रत्येक दैनिक से 7500/--रपये प्रति वर्ष।
- (ii) प्रत्येक अर्ज-माध्ताहिक /साध्ताहिक सं 4,500/--रुपण् प्रति वर्ष।
- (iii) प्रत्येक पाक्षिक/मामिक से 3,500/-- रुपए प्रति वर्ष।
- (iv) गर्भा अन्य प्रवर्गों से 2,250/-- इपए प्रति वर्ष,
- (ख) 1,00,000 में अधिक और 1,50,000 तक की सक्या में बिकने वाले रजिस्ट्रीकृत समाचार पत्न और नियतकात्विक पत्निकाएं;
  - (i) प्रत्येक दैनिक से 5,250/--रुपए प्रति वर्ष।
  - '(ii) प्रत्येक अर्डमाप्नाहिक/माप्नाहिक . से 3,000/-- रुपए प्रति धर्म;
  - (iii) प्रत्येक पाक्षिक/मासिक से 2,250/-- रुपए प्रति वर्ष,
  - (iv) सभी अन्य प्रवर्गों से 1,500 रूपए प्रति वर्ष;

- (ग) 50,000 में अधिक और 1,00,000 तक कें सक्या में जिलते वाले रिक्रस्ट्रोक्टन समाचार पत्र और नियनकालिक पतिकाण --
  - (i) प्रत्येक दैनिक से 3,750/-- रुपए प्रति वर्ष
  - (ii) प्रत्येक अद्धंसारनाहिक/मारनाहिक में 2,250/- स्पण प्रति वर्ष
  - (iii) प्रन्येक पाक्षिक/मासिक से 1,500/---रुपण प्रति वर्ष,
  - (iv) सर्भाः अन्य प्रवर्गीमे 1.125/---- क्षणः प्रति वर्षः,
- (श्र) 15,000 प्रतियो से अधिक और 50,000 प्रतियो तक की सक्या में विकत्ते वाले रिजस्ट्र कृत समाचार पन्न और नियत्रतालिक पत्रि-काएं :--
  - (i) प्रत्येक दैनिक से 1,500/-- रुपए प्रति वर्ष
  - (ii) प्रस्थेक अर्बमाप्ताहिक/माप्ताहिक से १०००/-- रूपण प्रति वर्ष।
  - (iii) प्रत्येक पाक्षिक/मासिक से ५००/— रुपए प्रति वर्ष।
  - (iv) सभी। अन्य प्रवर्गी से 450/- रुपए प्रति वर्ष ,
- (इ) 5,000 से अधिक और 15,000 तक की सध्या में बिकते बाले राजस्ट्रीकृत समाचार पन्न और नियनकालिक पश्चिमाए --
  - (i) प्रत्येक वैनिक से 200/— रुपए प्रति वर्ष
  - (ii) प्रत्येक अद्धंनाष्ट्राहिक/माष्ट्राहिक में 150/--- रुपए प्रति वर्ष,
  - (iii) प्रत्येक पाक्षिक/मासिक से 100/→- रुपए प्रति वर्ष।
  - (iv) सभा अन्य प्रवर्गी में 100/-- रुपण प्रति वर्ष।
- (च) प्रत्येक वर्ग I समाचार अभिकरण से 7,500/---रुपण प्रति वर्ष।
- (छ) प्रत्येक वर्ग II समाचार अभिकरण से 5,250/→ रुपः प्रति वर्षः।
- (अ) सर्भा अन्य समाचार अभिकारणों से 3,750/---- रुपए प्रति वर्षे।
  स्पर्टाकरण . इस नियम के प्रयोजनार्थ, राजिस्ट्रीकृत रामाचार पत्नों और
  नियनकालिक पविकाओं की विकते वार्ता। सख्या उनकीं।
  बिकी हुई प्रतियों के वे नवीननम ऑकडे होंगे जो भारतीय
  समाचार पत्नों के राजिस्ट्रार के पास उपलब्ध है और
  समाचार अभिकरणों के वर्गीकरण के लिए मानदड वह
  हांगा जो अमजीबी पत्नकार मजदरी बोर्ड की रिपोर्ट में

उपदर्शित किया जाना है।"

[फा.स. 4/1/87-प्रेस] केसर सिंह, बैदबान, समुक्त मचिव

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 14th March, 1988

### NOTIFICATION

G.S.R. 340 (E):—In exercise of the powers conferred by section 25 of the Press Council Act, 1978 (37 of 1978), the Central Government hereby makes the following amendment to the Press Council (Amendment) Rules, 1981, numely:

- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Press Council Rules, 1979, for clauses (a) to (1) of rule 10 (1) and explanation thereunder, the following shall be substituted, namely:
- "(a) registered newspapers and periodicals with a circulation range above 1.50 (e) .--
  - (i) Rs. 7,500 per annum from each daily;
  - (ii) Rs. 4,500 per annum from each bi-weekly! weekly;
  - (iii) Rs. 3,500 per annum from each fortnightly! monthly:
  - (iv) Rs. 2,250 per annum from all other categories;
- (b) registered newspapers and periodicals with a circulation range of above 1.00,000 and upto 1.50,000 :—
  - (i) Rs. 5,250 per annum from each daily;
  - (ii) Rs. 3,000 per annum from each bi-weekly weekly;
  - (iii) Rs. 2,250 per annum from each fortnightly monthly;
  - (iv) Rs. 1,500 per annum from all other categories;
- (c) registered newspapers and periodicals with a circulation range of above 50,000 and upto 1.00.000:—
  - (i) Rs. 3,750 per annum from each daily;
  - (ii) Rs. 2,250 per annum from each bi-weekly weekly;
  - (iii) Rs. 1,500 per annum from each—fortnigthly/monthly;
  - (iv) Rs. 1,125 per annum from all other categories;
- (d) registered newspapers and periodicals with a circulation range of above 15,000 and upto 50,000—
  - (i) Rs. 1,500 per annum from each daily;
  - (ii) Rs. 900 per annum from each bi-weekly weekly;
  - (iii) Rs. 600 per annum from each fortnightly monthly;
  - (iv) Rs. 450 per annum from all other categories;
- (e) registered newspapeprs and periodicals with a circulation range of above 5,000 and upto 15,000-
  - (i) Rs. 200 per annum from each daily;
  - (ii) Rs. 150 per annum from each bi-weekly weekly;

- (iv) Rs. 100 per annum from all other categories;
- (1) Rs 7,500 per annum from each Glass I news agency  $\dot{\gamma}$
- (g) Rs. 5,250 per annum from each Class II news agency;
- (h) Rs 3.750 per annum from all other news agencies

Explanation: For the purpose of this rule, the circulation range of registered newspapers and periodicals shall be the latest circulation figures as available with the Registrar of Newspapers for India and the criteria for classification of news agencies shall be such as indicated in the Report of the Wage Board for Working Journalists."

[F. No. 4|1|87-Press]K. S. BAIDWAN, Jt. Secv.